

सिंगापुर के राष्ट्रपति के सम्मान में आयोजित राजभोज के अवसर पर

माननीय राष्ट्रपति का अभिभाषण

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली : 09.02.2015

महामहिम,

डॉ. टोनी तान केंग यम,

सिंगापुर गणराज्य के राष्ट्रपति,

मादाम मैरी तान,

व शष्ट अति थगण,

महामहिम आपका और मादाम मैरी तान तथा आपके शष्टमंडल के व शष्ट सदस्यों का आपकी भारत की पहली यात्रा पर, अत्यंत हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है।

महामहिम,

आपकी भारत की यात्रा विशेषकर महत्वपूर्ण है क्यों क यह दिन हमारी दोनों सरकारों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाने का महत्वपूर्ण अवसर है।

महामहिम,

भारत और सिंगापुर के बीच बहुत सी बातें समान हैं। हमारे संबंध चोलवंश के समय से शुरू हुए थे, जो संभवतः आपके देश में पहले बसने वाले लोगों में से थे। ये संपर्क औपनिवेशिक काल में, विशेषकर व्यापारियों, वद्वानों तथा बौद्ध भिक्षुओं के आवागमन के साथ, प्रगाढ़ हुए। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, भारत से बहुत से देशभक्तों ने आपके देश में ठिकाना बनाकर औपनिवेशिक शासन के खिलाफ अपनी सेनाओं को इकट्ठा किया। मुझे यह जानकर खुशी हो रही है क आप अपने भारत वरासत केन्द्र में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित करने जा रहे हैं। वर्तमान समय में, भारत से पेशेवरों तथा कामगारों ने खुद को मनोयोग से सिंगापुर के आर्थिक विकास और प्रगति में लगाया है।

हम दोनों देश, लोकतंत्र, बहु-सांस्कृतिक समाजों, कानून के शासन, स्वतंत्र उद्यम और जनता के बढ़ते हुए पारस्परिक संपर्क के माध्यम से क्षेत्रीय भूमिका तथा साझा संपर्क पर आधारित साझीदारी की परिकल्पना करते हैं। हम समुद्र के आर-पार के साझीदार हैं तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय परिवेश के अभिन्न अंग हैं।

आज, हम इतिहास के ऐसे संक्राति काल में हैं जहां हमारे चारों ओर बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं। हमने वैश्विक अर्थव्यवस्था में गरावट तथा उसका हमारे क्षेत्र पर प्रभाव देखा है, भले ही इसका हम पर दूसरों से कम प्रभाव पड़ा है। हमने भू-सामरिक केन्द्र को ए शया की ओर खसकते देखा है। हमने ए शया में शक्तियों का एकीकरण देखा है। महामहिम, यह हमारा प्रयास होगा क हम अपने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने तथा अपनी जनता के वकास के लए मल-जुलकर प्रयास करें।

हाल ही के वर्षों में, हमारे द्वपक्षीय सहयोग की मात्रा और गुणवत्ता में वस्तार हुआ है। मुझे खुशी है क हमने व्यापार और निवेश की मात्रा बढ़ाने, संयोजकता में तेजी लाने, स्मार्ट शहर, कौशल वकास तथा राज्य पर ध्यान देने जैसे पांच सूत्रीय कार्यक्रम को शुरू कया है। इससे उन प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को समसामयिक स्वरूप मल पाएगा, जिनमें हमारी अनुपूरकताएं हैं। इसके अलावा, इससे अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, संस्कृति तथा दोनों देशों की जनता के बीच पारस्परिक आदान-प्रदान के परंपरागत क्षेत्रों में हमारे मौजूदा सहयोग में सहायता मलेगी।

महामहिम,

हम संगापूर को आ सयान तथा इस क्षेत्र के अन्य देशों के साथ और अ धक नजदीकी सहयोग के प्रवेशद्वार के रूप में देखते हैं। हम भारत और आ सयान को नजदीक लाने में आपकी भूमिका की सराहना करते हैं। भारत ए शया-प्रशांत में बड़ी भूमिका शुरू करने के लए भी उत्सुक है।

महामहिम,

मैं भारत की आपकी सफल और आनंददायक यात्रा की उम्मीद करता हूं। हम कल आपके द्वारा पेरानाकन प्रदर्शनी के उद्घाटन के लए उत्सुक हैं जो भारत की जनता के समक्ष आपकी सांस्कृतिक परंपराओं का प्रदर्शन करेगी। मुझे उम्मीद है क आप हमारे कुछ सांस्कृतिक स्थलों को देख पाएंगे तथा हमारे समाज की धड़कनों का अनुभव कर पाएंगे।

महामहिम, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है क इस जयंती वर्ष के दौरान हमारे बीच होने वाले आदान-प्रदानों से, हमारी जनता के लाभ के लए तथा हमारे क्षेत्र में शांति और समृद्ध के लए हमारा सहयोग और अ धक प्रगाढ़ होगा।

दे वयो और सज्जनो, इन्हीं शब्दों के साथ, आइए हम सब मलकर:

-महामहिम राष्ट्रपति टोनी तान केंग यम और श्रीमती मैरी तान के स्वास्थ्य और खुशहाली;

- संगापूर की मैत्रीपूर्ण जनता की निरंतर प्रगति और समृद्ध; तथा

- भारत की जनता और संगापूर की जनता के बीच स्थाई मैत्री और सहयोग के लए, कामना करें।

धन्यवाद,

